आलू

अमरीका में भयानक मंदी के काल की एक कहानी

केट लिड, चित्र: लिसा अर्न्स्ट

आलू
अमरीका में भयानक मंदी के काल
की एक कहानी
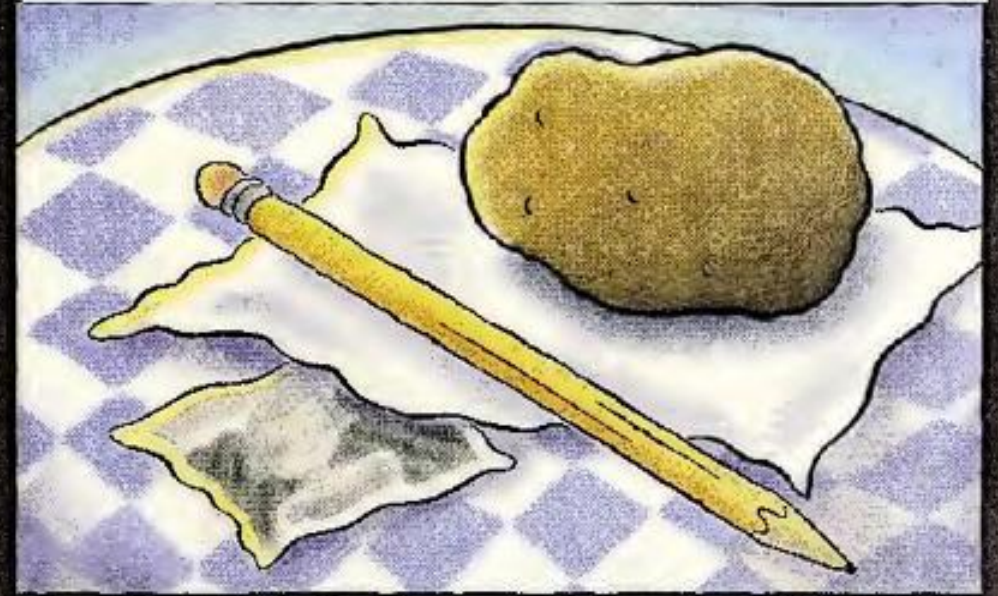
यह कहानी मेरे दादा-दादी की है. यह अमरीका में भयानक मंदी के काल की कहानी भी है. उस समय परिस्थितियां बहुत कठिन थीं.
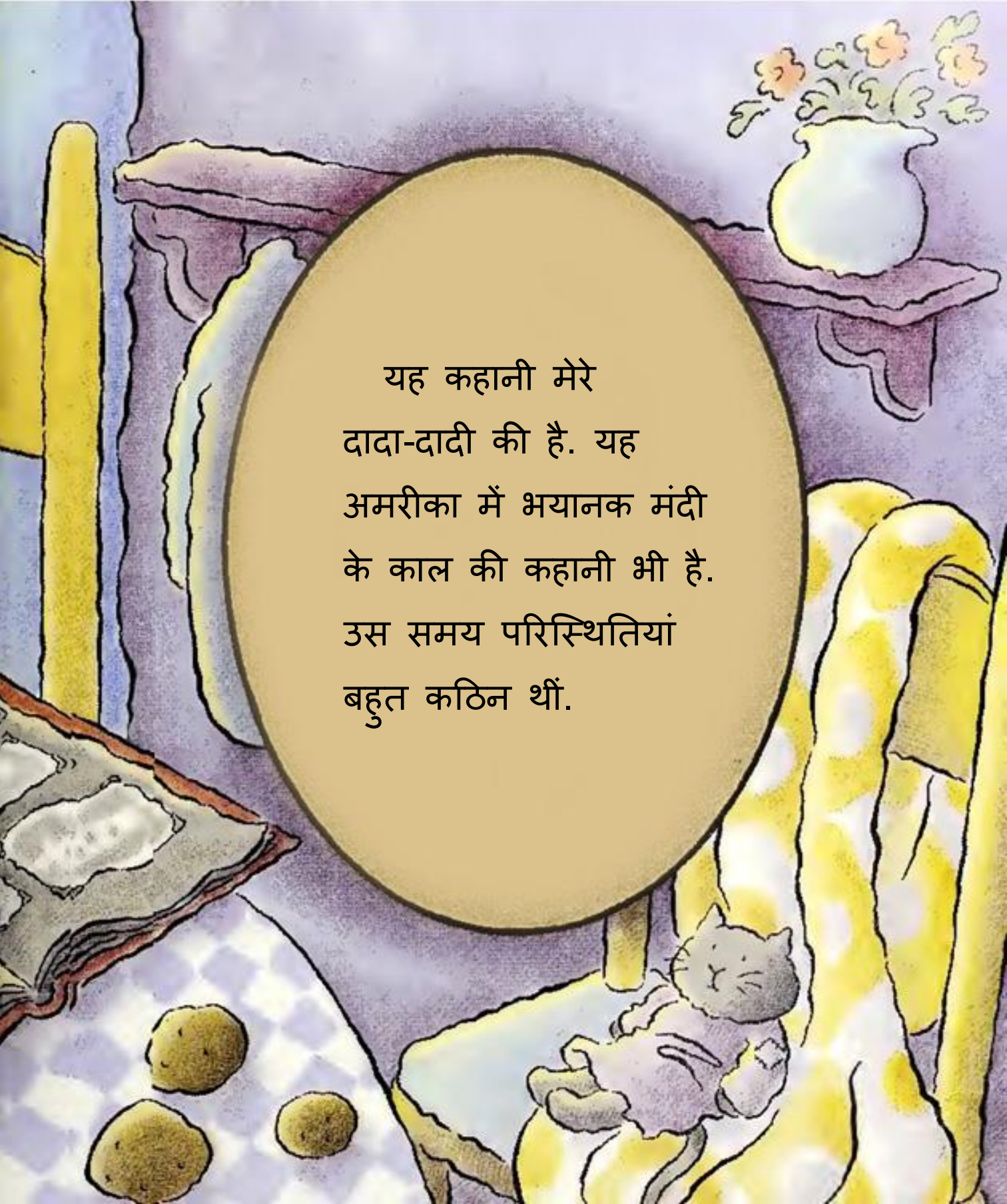
1920 के दशक में अमरीका में घोर मंदी थी. तब एग्नेस नाम की एक माँ और क्लेरेंस नाम के एक पिता थे.

उनकी डोरोथी नाम की एक बच्ची थी.
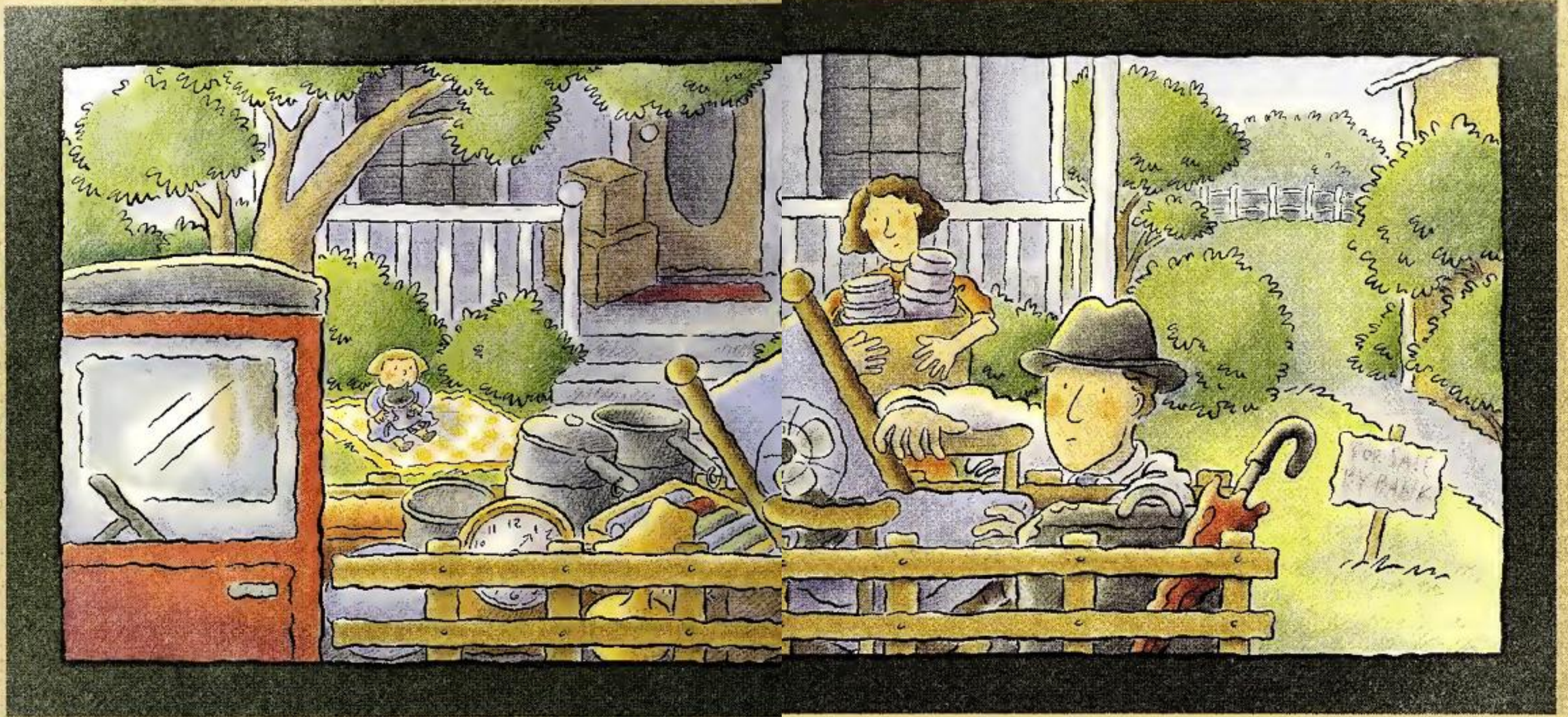
डोरोथी और उसके माता-पिता, आयोवा में रहते थे. क्लेरेंस और एग्नेस की शादी को काफी समय हो चुका था.

मंदी में क्लेरेंस की नौकरी चली गई और उसके बाद क़र्ज़ न चुका पाने के कारण बैंक ने उसका घर ज़ब्त लिया.
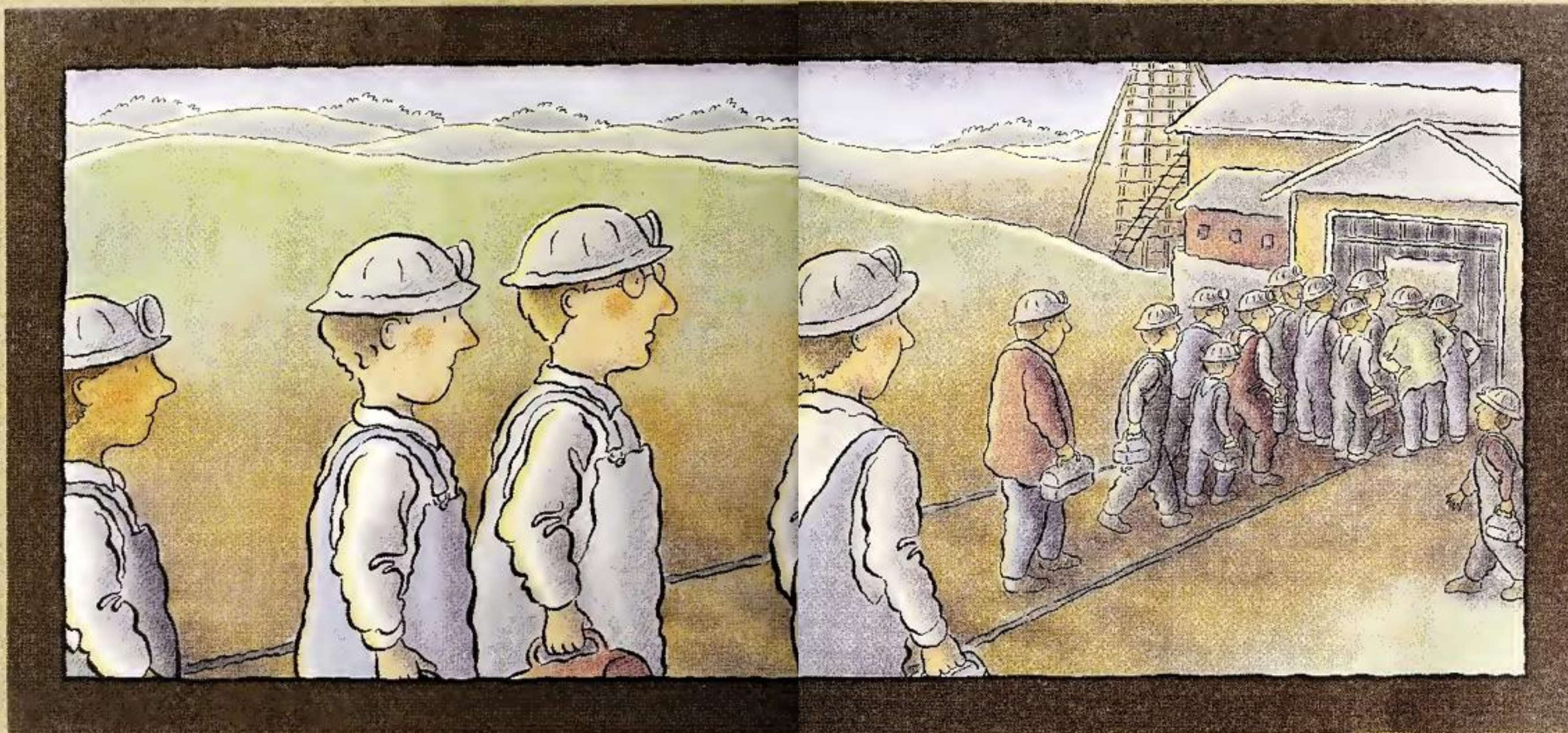
एग्नेस के पिता एक कोयले की खान में नौकरी करते थे.
फिर क्लेरेंस भी उनके साथ कोयला खदान में काम करने लगा.

फिर एक दिन कोयला खदान भी बंद हो गई.

उस समय कोई अन्य रोजगार उपलब्ध नहीं था.
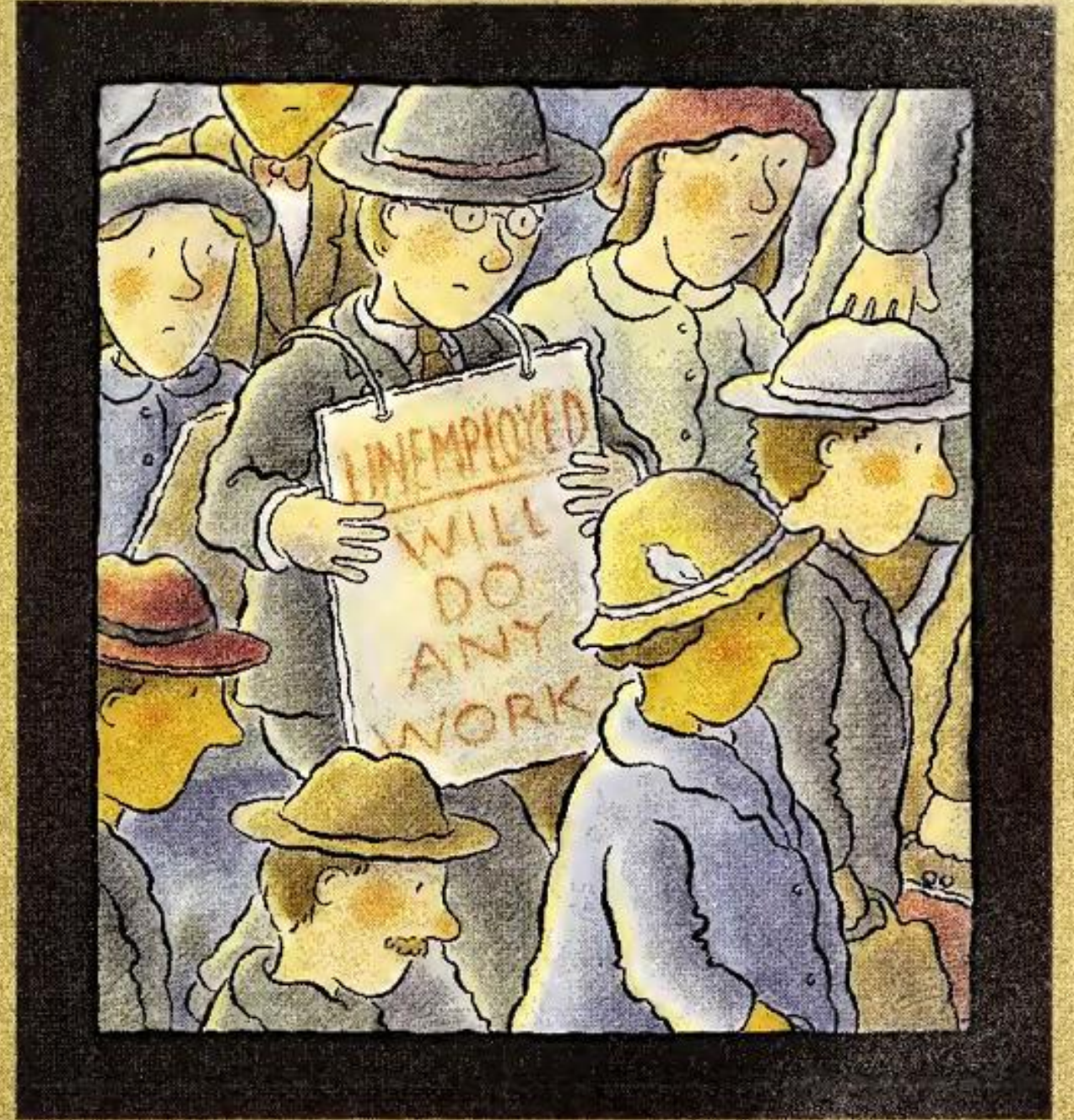
लोगों को जहां भी जो भी नौकरी मिलती, वो उसे करते.

किसी ने उन्हें बताया कि इडाहो में आलू चुनने का काम मिल रहा था. एग्नेस एक व्यक्ति को जानती थी जिसकी कार को वे उधार ले सकते थे. इसलिए, उन्होंने पेट्रोल के लिए पैसे उधार लिए और वे डोरोथी के साथ आयोवा चले गए.
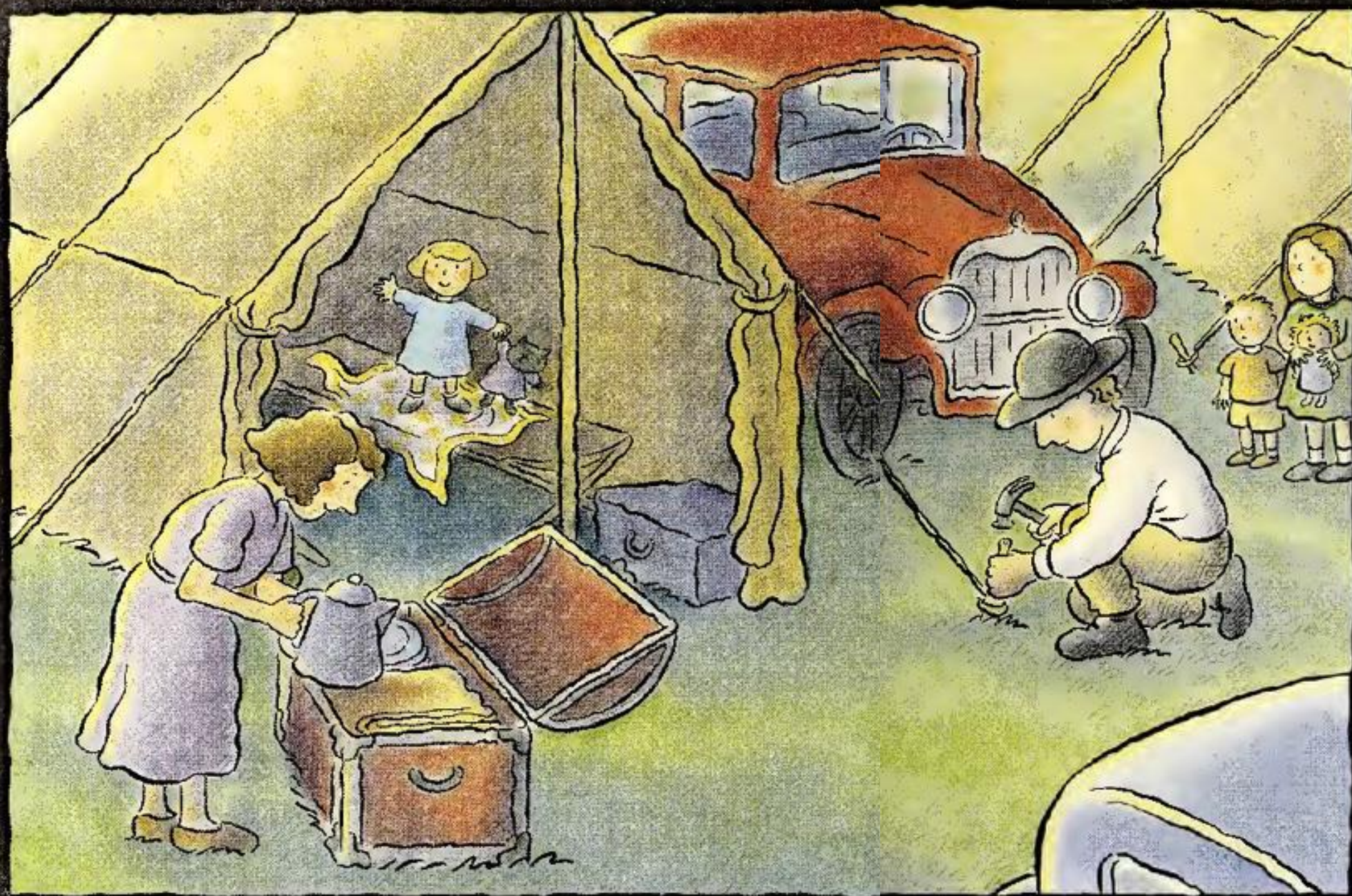
वहां वे दो सप्ताह तक
एक तंबू में रहे.

दिन में वे आलू खोदने का काम करते थे.

डोरोथी, आलू के खेतों में खेलती थी.
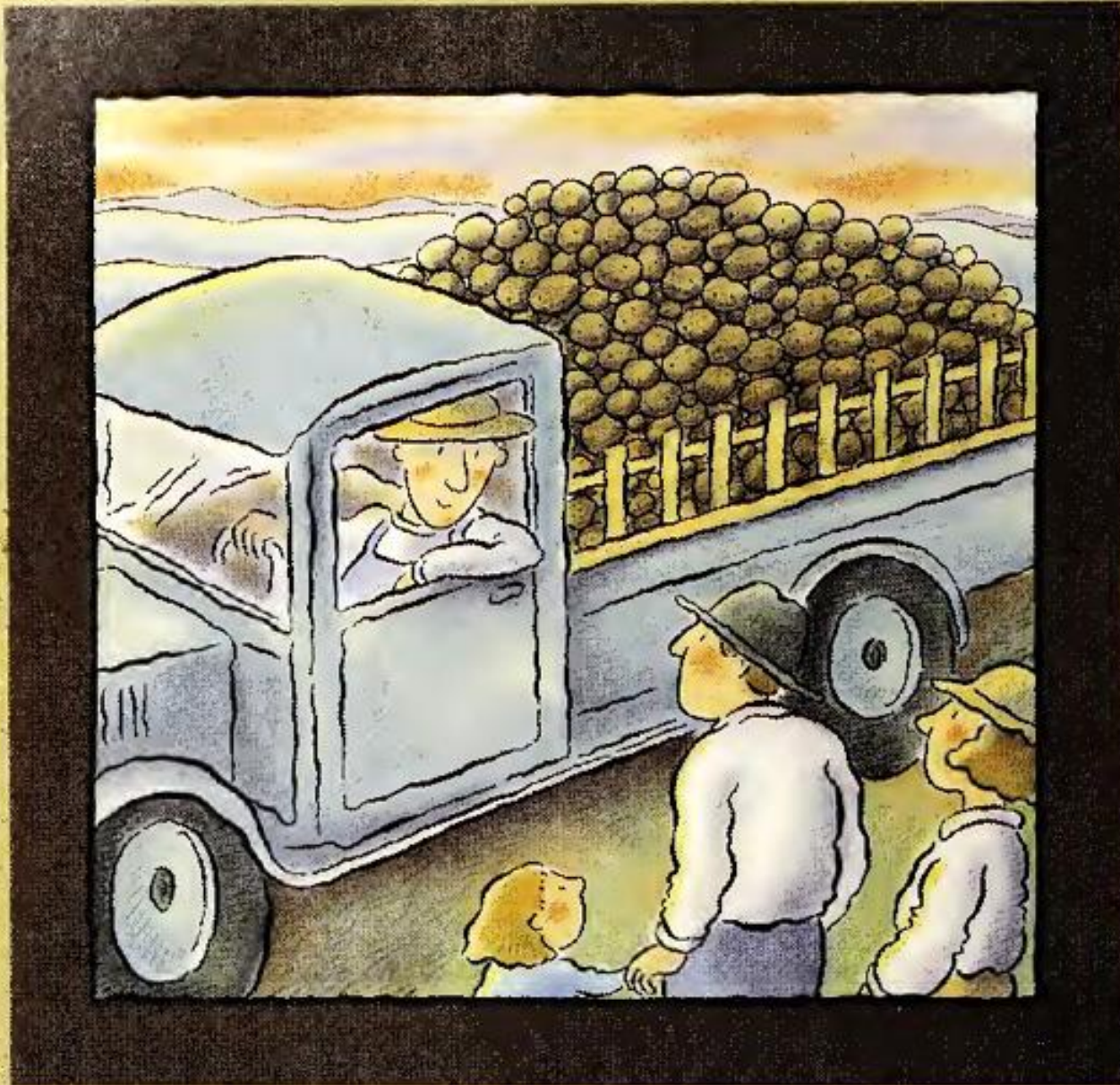
खेत के मालिक ने कहा कि वे लोग, रात के समय, खुदाई किए हुए खेतों में जाकर वहां पर पड़े हुए बचे हुए आलुओं को बीन सकते थे.
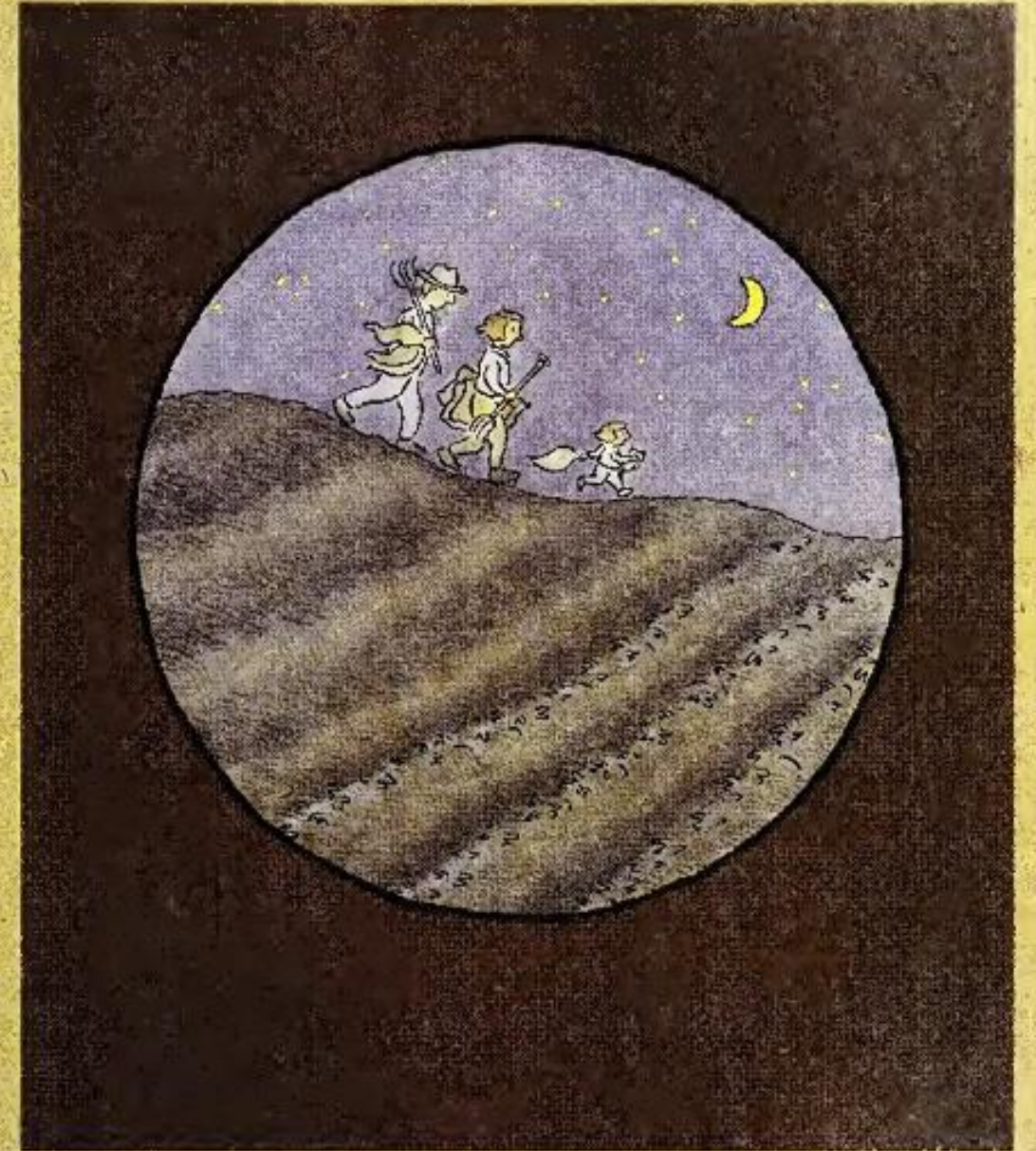
फिर उन्होंने इस्तेमाल किए गए पुराने बोरे सस्ते में खरीदे. वे रात को खेतों में जाते और वहां बचे हुए आलुओं को बीनकर बोरियों में भरते थे.
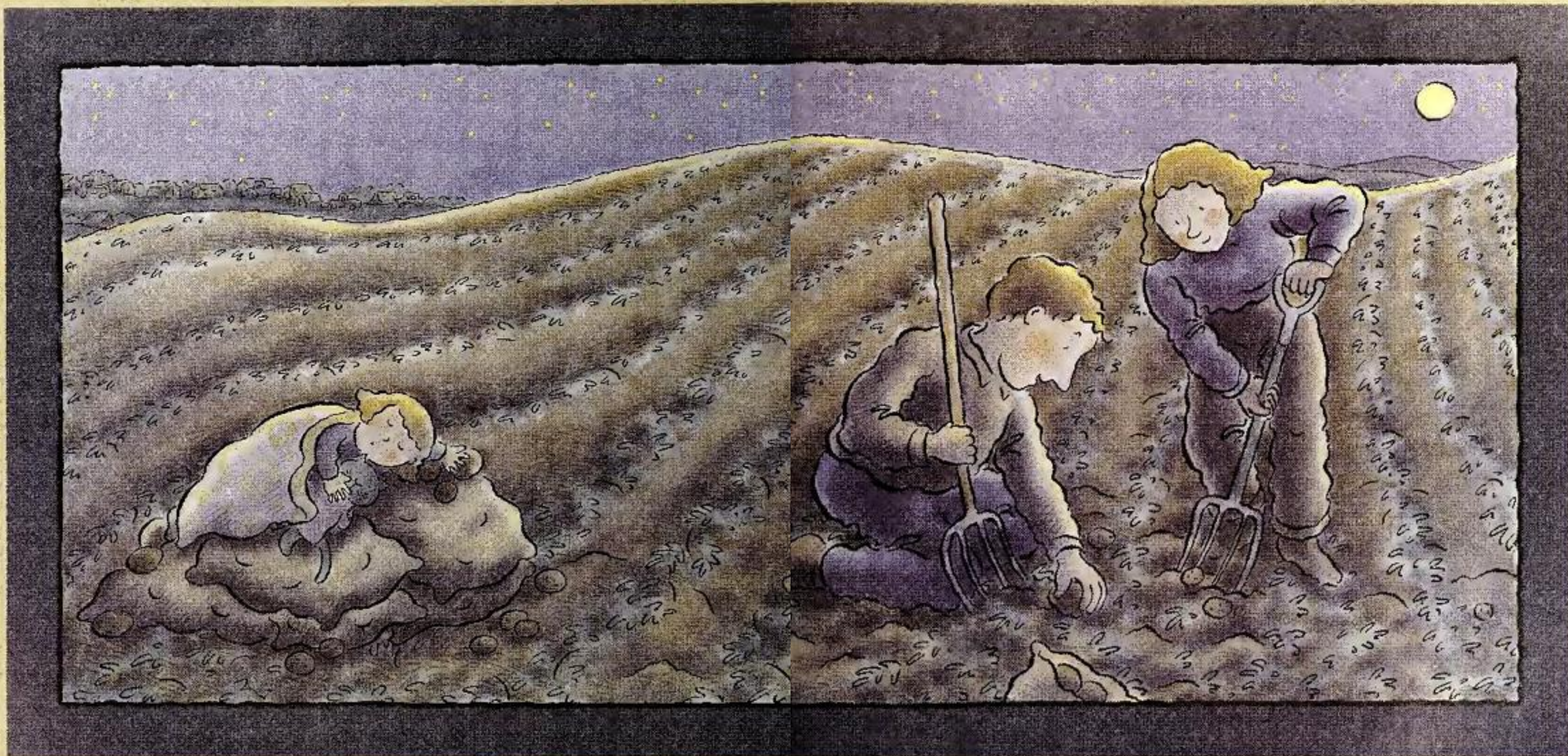
वो काम केवल दो सप्ताह तक चला.

वे हर रात बचे आलू बीनने का काम करते रहे.

दो सप्ताह के बाद, उन्होंने डोरोथी और आलुओं को कार में लादा और फिर घर वापिस चले. कार में उन्हें जहां भी जगह मिली उन्होंने आलू भरे -
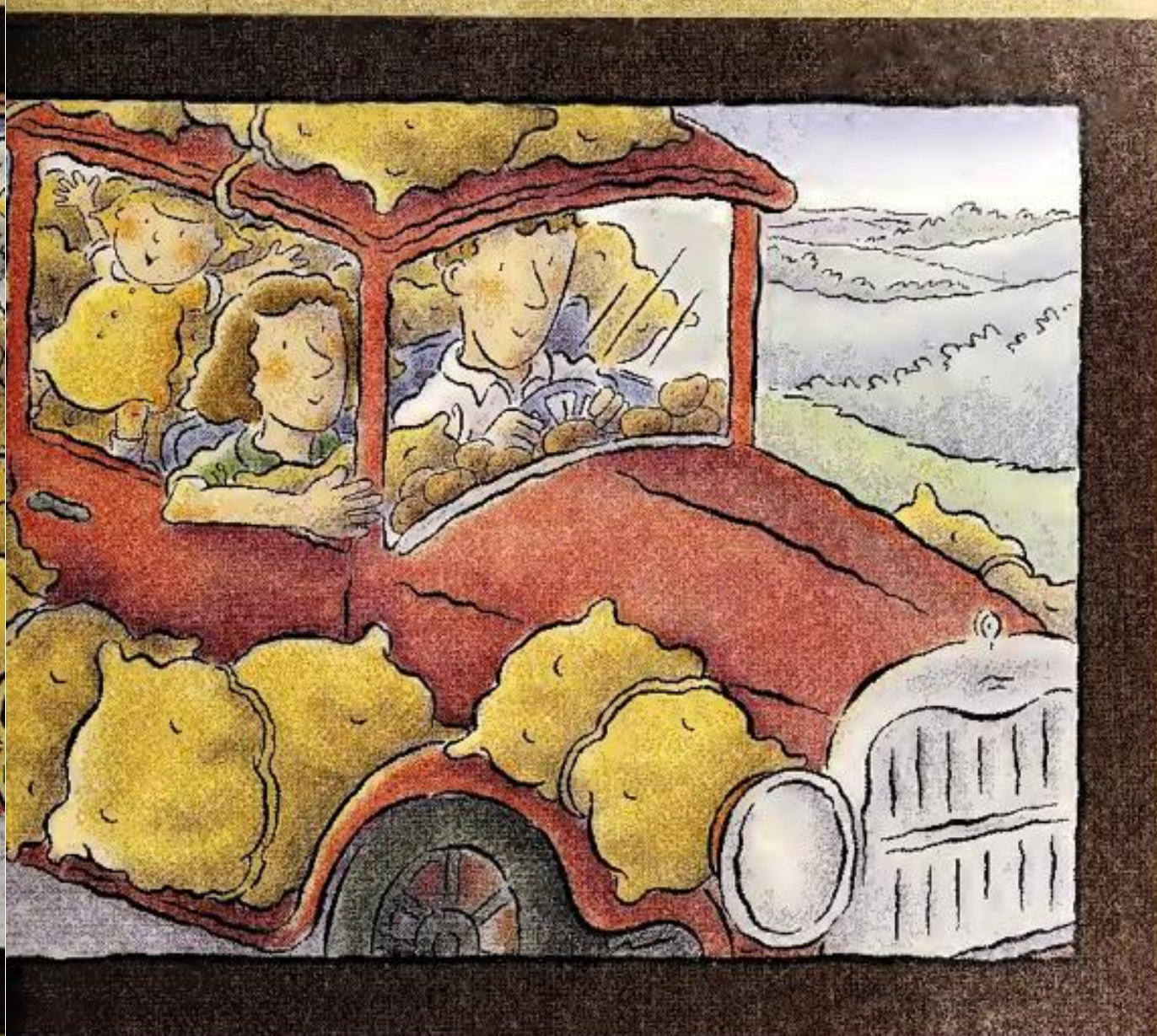
डैशबोर्ड, हुड, ट्रंक और बोर्ड पर. डोरोथी को आलू की बोरियों पर बैठना पड़ा. उन्होंने आलू खुदाई से जो पैसे कमाए, उससे उन्होंने कार के लिए पेट्रोल खरीदा.

जब वे घर वापस पहुंचे, तो क्लेरेंस और एग्नेस ने आलू बेंचकर रोज़मर्रा इस्तेमाल की अन्य चीज़ें खरीदीं : किराने का सामान....

....कपड़े, और उन्होंने एक सुअर भी खरीदा. उनके पास बहुत कम पैसे थे और उस काल में उन्हें जीने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी.

अंत में क्लेरेंस को एक नौकरी मिली
और फिर वो अपने परिवार के साथ

वाशिंगटन, डीसी और फिर हवाई चला गया.

जल्द ही डोरोथी के दो बच्चे हुए, बॉब और गैरी.

देर रात तक डोरोथी अपने लड़कों को कहानियाँ सुनाती थी -
- आलुओं की, और कैसे उन्होंने चाँद की रोशनी में आलुओं को बीना.

समाप्त